वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 298 सोमवार 30 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भगवान महावीर की दिव्य देशना

वर्तमान युग के अंतिम तीर्थंकर और शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का दर्शन केवल आत्म-केंद्रित न होकर आत्म-विकास और विश्व-कल्याण पर आधारित है। उनका दर्शन 2600 वर्षों के बाद भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अवतरण

भगवान महावीर के जन्म से पूर्व भारतवर्ष में वैचारिक भ्रम, कर्मकांड और अज्ञानता का अंधकार छाया हुआ था। अज्ञानवश मनुष्य स्वर्ग प्राप्ति के लोभ में पशुओं की बलि देता था। ऐसे समय में लोककल्याण का मार्ग दिखाने के लिए ईसा से 599 वर्ष पूर्व कुंडलपुर की पावन धरा पर 'वर्धमान' के रूप में भगवान महावीर का अवतरण हुआ। बाल्यकाल से ही विलक्षण बुद्धि के धनी वर्धमान संसार की नश्वरता को समझ चुके थे। 30 वर्ष की आयु में उन्होंने गृहत्याग कर कठोर तप का मार्ग अपनाया। 12 वर्ष की मौन साधना के पश्चात उन्हें 'केवलज्ञान' प्राप्त हुआ। अगले 30 वर्षों तक उन्होंने मानवता को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य जैसे पंचमहाव्रतों का उपदेश दिया। उन्होंने 'अप्पा सो परमप्पा' के सिद्धांत से स्पष्ट किया कि प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की शक्ति है और मनुष्य जन्म से नहीं, अपितु अपने कर्मों से महान बनता है।

-@ पेज 2 पर

महावीर के सिद्धांतों बिन...

सकल जगत को प्रभु आपने,
अहिंसा का मार्ग दिखाया।
मानव तन पाकर कैसे हो,
मोक्ष प्राप्त, यह सार बताया॥

'जियो और जीने दो' का,
मंत्र दिया आपने सभी को।
जीव मात्र का जीवन-हक,
समझ सके सब लोग तभी तो॥

बने आपके सभी उपासक,
धर्म-मर्म को सबने जाना।
सार-तत्व पहचाना जब तब,
अंतिम तीर्थंकर प्रभु माना॥

जैन धर्म की शुचिता क्या है,
उपदेशों में सब बतलाया।
मोक्ष उसी का निश्चित जानो,
जिसने इस पथ को अपनाया॥

मानव भव का सार यही है,
प्रभु-चरणों का तार यही है।
अर्जी दे दो, शरण में आओ,
सच्ची 'सरकार' यही है॥

इसीलिए इसे हृदय बसाओ,
अपना जीवन सफल बनाओ।
महावीर की अमृत वाणी से,
भीतर की जंग शांत कराओ॥

जिसने समझा, जिसने माना,
उसने असली धन को पाया।
हिंसा का जो पक्षधर बना,
जीवन खोकर वह पछताया॥

हिंसा-रण सब व्यर्थ रहे हैं,
कुरुक्षेत्र यह हमें सिखाता।
अहंकार में चूर थे जो सब,
आज न कोई उनका नाता॥

महावीर के सिद्धांतों बिन,
दुविधा सदा ही साथ रही है।
सुखी रहे हैं वही जगत में,
जो 'वर्धमान' की बात रही है॥

पवन पहाड़िया
डेह नागौर 9414864009

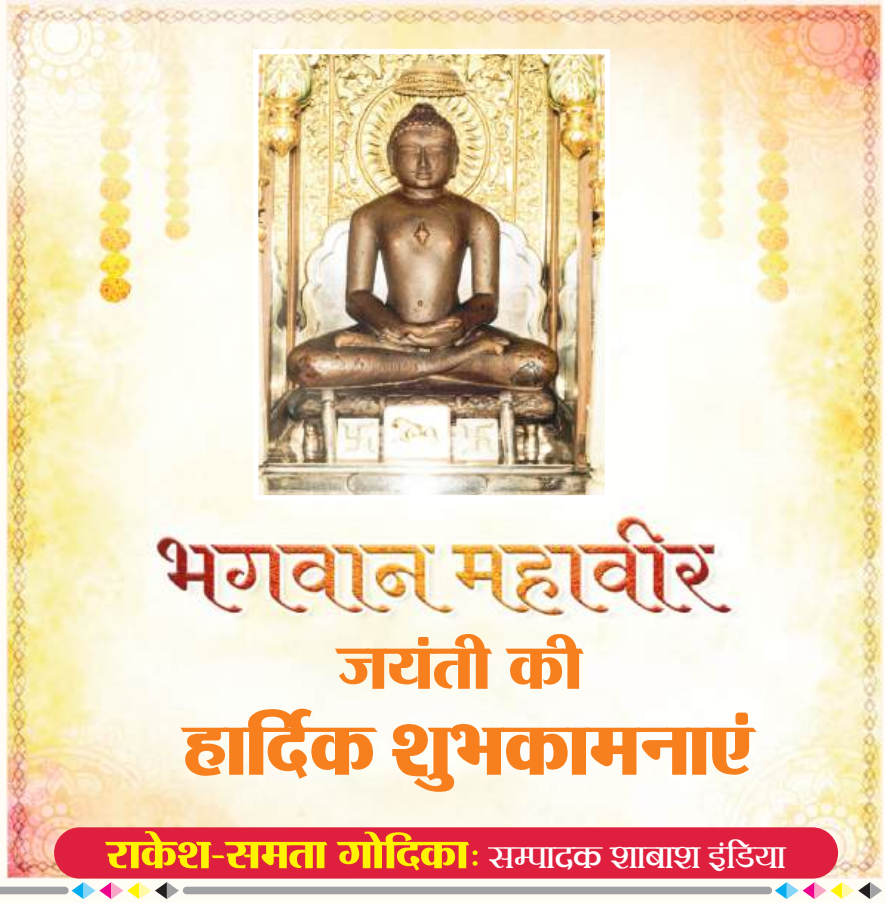

श्री सन्मति परिषद के संग दिव्यांग बच्चों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

अजमेर. शाबाश इंडिया। मीनू स्कूल एवं सागर कॉलेज के दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा 'महावीर जन्म कल्याणक' एवं 'राजस्थान दिवस' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सन्मति परिषद के अध्यक्ष श्री मनोज जैन मोडासिया, रमेश बाकलीवाल, मंत्री विनय गदिया सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रूप श्री जैन ने भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के संदेश को वैश्विक शांति के लिए अपरिहार्य बताया। परिषद के श्री आलोक डोटिया ने स्कूल की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे दिव्यांग उत्थान का श्रेष्ठ केंद्र बताया। उत्सव के दौरान दिव्यांग बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्री सन्मति परिषद के सदस्यों ने बच्चों के साथ खुशियां बांटते हुए उन्हें मोदक वितरित किए। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी श्रीमती क्षमा आर. कौशिक, राकेश कौशिक, अनुराग सक्सेना एवं प्रधानाध्यापक ईश्वर शर्मा सहित समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समावेशी समाज की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में सराहा गया।

हावड़ा में भक्तिमय 'महावीर विधान' का आयोजन: संगीत की धुन पर झूमे श्रद्धालु

हावड़ा (कोलकाता). शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पूर्व संध्या पर रविवार को डबसन स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य 'संगीतमय महावीर विधान' का आयोजन किया गया। भक्ति और शक्ति के इस अनूठे संगम में श्रद्धालुओं ने आत्मशुद्धि और विश्व कल्याण की मंगल कामना की।

अनुष्ठान की झलकियां

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात संगीत की मधुर लहरियों के बीच 'महावीर विधान' की विशेष पूजा-अर्चना की गई। विधान के दौरान मंत्रोच्चार के साथ 108 अर्घ्य समर्पित किए गए और भगवान के गुणों का स्तवन किया गया। भक्तों ने पालना झुलाकर प्रभु के जन्मोत्सव का आनंद लिया और अंत में भव्य आरती व जयमाला के साथ अनुष्ठान पूर्ण हुआ।

सिद्धांतों का स्मरण

इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' तथा 'अहिंसा परमो धर्मः' के सिद्धांतों को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। बताया गया कि यह विधान केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि कर्मों के क्षय और संयमित जीवन जीने का मार्ग है।

प्रमुख सहभागिता

आयोजन में मिलाप जी गंगवाल, प्रमिला बिनायका, सुरेश गंगवाल, विनोद गंगवाल, राजेश अजमेरा, सुशील पांड्या, कनक पांड्या, मंजु पांड्या सहित हावड़ा और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरा मंदिर परिसर महावीर स्वामी के जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा।

भगवान महावीर की दिव्य देशना

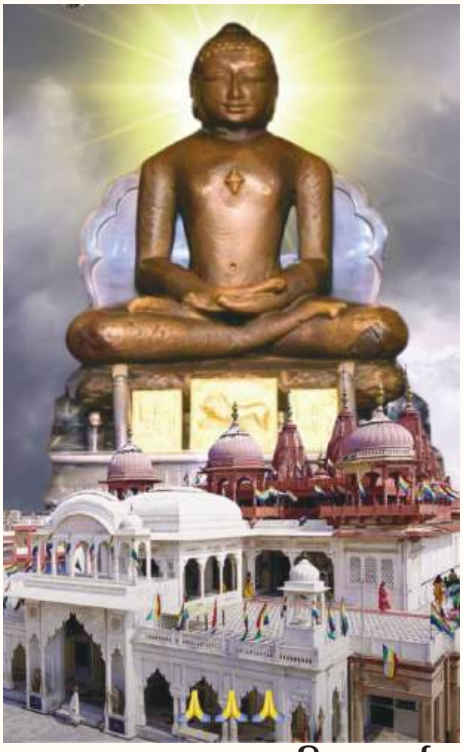

आज का विश्व युद्ध, अंतरराष्ट्रीय तनाव, आतंकवाद, पर्यावरण संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक कुरीतियों से जूझ रहा है। इन समस्याओं का स्थायी समाधान महावीर के सिद्धांतों में निहित है:

विश्व शांति और अहिंसा

वर्तमान में रूस-यूक्रेन और मध्य-पूर्व के देशों के बीच जारी विनाशकारी युद्ध मानवीय सभ्यता के लिए खतरा हैं। महावीर की 'अहिंसा' केवल शारीरिक वध न करना ही नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म से किसी को कष्ट न देना है। उनकी देशना युद्ध के स्थान पर संवाद को प्राथमिकता देती है। 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' यह सूत्र सिखाता है कि सभी जीव परस्पर एक-दूसरे पर आश्रित हैं। अहिंसा एक ऐसा अमोघ अस्त्र है जो शत्रु का हृदय परिवर्तन करने की क्षमता रखता है।

अनेकांतवाद: वैचारिक सहिष्णुता

सांप्रदायिक तनावों का मुख्य कारण वैचारिक कट्टरता है। महावीर का 'अनेकांतवाद' और 'स्याद्वाद' (सप्तभंगी सिद्धांत) सिखाता है कि सत्य के अनंत पहलू हो सकते हैं। दूसरों के दृष्टिकोण का सम्मान करना ही वैश्विक शांति की कुंजी है। आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) की तर्कशक्ति भी कहीं न कहीं महावीर के इसी बहुआयामी दृष्टिकोण से प्रभावित प्रतीत होती है।

अपरिग्रह: पर्यावरण और आर्थिक संतुलन

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं का मूल कारण मानवीय लालच है। महावीर का 'अपरिग्रह' सिद्धांत संसाधनों के सीमित और संयमित उपयोग पर बल देता है। यदि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं को सीमित कर ले और संग्रह की प्रवृत्ति छोड़े, तो कालाबाजारी और आर्थिक विषमता का अंत हो सकता है।

नैतिक जीवन और रत्नत्रय

सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यक्चरित्र (रत्नत्रय) के माध्यम से व्यक्ति आत्म-अनुशासन सीखता है। आज की भ्रष्ट और अनैतिक प्रवृत्तियों को रोकने के लिए करुणा और संयम का यह मार्ग अत्यंत आवश्यक है। भगवान महावीर का दर्शन किसी एक जाति या धर्म के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के लिए है। ₹जीओ और जीने दो₹ का उनका संदेश आज की तनावपूर्ण दुनिया के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका है। यदि वैश्विक स्तर पर इन सिद्धांतों को अपनाया जाए, तो धरती पर पुनः शांति और सद्भाव स्थापित हो सकता है।

संकलन:
भाग चन्द जैन 'मित्रपुरा'
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर
संपर्क: 9950999339

रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल की अनूठी पहल

जयपुर में वर्ष के 365 दिन चलेगा 'निःशुल्क भोजन' वितरण सेवा प्रकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

'नर सेवा ही नारायण सेवा' के संकल्प के साथ रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल ने गुलाबी नगरी में एक अत्यंत सराहनीय प्रोजेक्ट ''रोटी रोटरी की'' का आगाज किया है। इस मानवीय सेवा प्रकल्प के अंतर्गत अब जयपुर में वर्ष के 365 दिन प्रतिदिन लगभग 300 जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसी कड़ी में आज राजा पार्क, जयपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के साथ इस सेवा कार्य की विधिवत शुरूआत हुई।

घनेश्वर शर्मा के सान्निध्य में हुआ शुभारंभ

इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के सुचारू क्रियान्वयन के लिए रोटेरियन घनेश्वर दत्त शर्मा को 'प्रोजेक्ट डायरेक्टर' मनोनीत किया गया है। राजा पार्क में आयोजित कार्यक्रम उन्हीं के सान्निध्य में संपन्न हुआ, जहाँ उन्होंने सेवा की कमान संभाली और आगामी दिनों की विस्तृत रूपरेखा साझा की।

वरिष्ठ पदाधिकारियों का मार्गदर्शन

कार्यक्रम के दौरान क्लब के मेंटर कुलदीप सिंह ढिल्लों ने सभी सदस्यों का मार्गदर्शन करते हुए इस पुनीत कार्य में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। क्लब के अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन और सचिव डॉ. अनुराग तोमर ने संयुक्त रूप से बताया कि क्लब का मुख्य ध्येय जयपुर में किसी भी जरूरतमंद को भूखा न रहने देना है। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि ''रोटी रोटरी की'' अभियान के माध्यम से पूरे वर्ष निरंतर सेवा कार्य जारी रहेगा। रोटरी क्लब के इस सेवा भाव की शहर के प्रबुद्ध जनों द्वारा मुक्तकंठ से सराहना की जा रही है।

वेद ज्ञान

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने ना कि...

ललित गर्ग

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

संपादकीय

सरकार का जनकल्याण की दिशा में मजबूत कदम

पश्चिम एशिया में जारी महासंग्राम ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल ने अनेक देशों के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। अमेरिका से लेकर यूरोप तक आम नागरिक महंगे पेट्रोल डीजल का बोझ झेलने को मजबूर हैं। कई देशों में कीमतों में भारी वृद्धि के कारण महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है और लोगों के दैनिक जीवन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। ऐसे कठिन समय में भारत

सरकार ने एक ऐसा निर्णय लिया है जिसने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता जनता को राहत देना है न कि बोझ बढ़ाना। भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने उत्पाद कर में प्रति लीटर दस रुपये की कटौती का बड़ा फैसला किया है। यह कदम केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं बल्कि एक संवेदनशील शासन दृष्टिकोण का प्रतीक है। जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें सत्तर डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर एक सौ बाईस डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं तब इस तरह की राहत देना आसान नहीं होता। इसके बावजूद सरकार ने यह जोखिम उठाया ताकि आम आदमी पर महंगाई की मार न पड़े। यह निर्णय यह भी दर्शाता है कि सरकार का अभिगम पूरी तरह जनतालक्षी है। सरकार यह समझती है कि ईंधन की कीमतों का सीधा असर हर वस्तु और सेवा पर पड़ता है। यदि पेट्रोल डीजल महंगा होगा तो परिवहन लागत बढ़ेगी और उसके साथ ही खाद्यान्न से लेकर दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी महंगी हो जाएंगी। इस स्थिति से बचाने के लिए सरकार ने अपने राजस्व में कटौती सहने का रास्ता चुना। अनुमान है कि इस फैसले से सरकार को हर पंद्रह दिनों में हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार उठाना पड़ेगा। इसके बावजूद यह निर्णय लिया गया क्योंकि प्राथमिकता जनता की राहत है। सरकार ने केवल कर में कटौती ही नहीं की बल्कि ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को बढ़ाकर सत्तर प्रतिशत तक करने का निर्णय इसका एक बड़ा उदाहरण है। इससे उद्योगों को आवश्यक ऊर्जा उपलब्ध होगी और उत्पादन पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। विशेष रूप से स्टील ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल जैसे श्रम आधारित उद्योगों को इसका लाभ मिलेगा। इससे रोजगार के अवसर सुरक्षित रहेंगे और आर्थिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी। आज जब दुनिया के कई देश ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं तब भारत में पर्याप्त भंडार बनाए रखना भी सरकार की दूरदर्शिता को दर्शाता है। देश के पास साठ दिनों से अधिक का पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध है। यह स्थिति आम नागरिकों में विश्वास पैदा करती है और घबराहट को रोकती है। सरकार ने बार बार यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है और लोगों को अनावश्यक रूप से भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। इस पूरे परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है और वह है अफवाहों पर नियंत्रण।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पुण्य और पाप का असली स्वरूप

विरोधाभास सृष्टि और काल का अकाट्य सत्य है। दुख-सुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, साधु-असाधु, सुजाति-कुजाति, स्वर्ग-नरक, दानव-देवता, ऊंच नीच, अमृत-विष, माया-ब्रह्म, जीव और ईश्वर, संपत्ति-दरिद्रता, ये सभी विरोधाभास सृष्टि के निर्माण और संचालन के लिए प्रयोग में आने वाले पदार्थ हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी का उद्घोष है कि सृष्टि गुण-दोषमयी है। इसमें से गुण को ग्रहण करना और दोष का परित्याग करने के विवेक के अतिरिक्त आनंदमय जीवन के लिए कोई अन्य मार्ग नहीं है। यदि ईश्वर कृपा करे तो इस प्रकार की मति बन जाना संभव है। पाप और पुण्य दोनों की कई श्रेणियां हैं। न तो सारे पुण्य पुण्यात्माओं के द्वारा होते हैं, न ही सारे पाप पापात्माओं के द्वारा होते हैं। महत्वपूर्ण सूत्र यह है कि पाप या पुण्य किस भाव से किया गया। बहुधा पाप और पुण्य की व्याख्या हमारे अपने निजी स्वार्थ पर निर्भर होती है। यदि वह दूसरे के पाप का परिणाम है, तब हमें वह भी श्रेष्ठ लगता है। इसके विपरीत, यदि हमारा व्यक्तिगत कोई लाभ नहीं है, यदि दूसरे को लाभ मिल गया तो वह पुण्य भी समाज में बहिष्कार और उपहास का माध्यम बन जाता है। इसीलिए वेद कुछ के स्थान पर सब शब्द का प्रयोग करते हैं। सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित दुःख भाग्भवेत। जो हो वह सबके लिए हो। सब सुखी रहें, हम सभी के आनंद और सुख की कामना करें, इस स्थिति में पाप की कोई सत्ता रह ही नहीं जाएगी। श्रीरामचरितमानस में रामराज्य में गुणों के संदर्भ में इसी सब शब्द का ही प्रयोग किया गया है। सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।। सब निर्दंभ धर्मरत पुनी। नर अरु नारि चतुर सब गुनी।। सब गुनग्य पंडित सब ग्यानी। सब कृतग्य नहिं कपट सयानी।। सब उदार सब परउपकारी। बिप्र चरन सेवक नर नारी। राम जब जीवन और हृदय में आ जाते हैं तो पुण्य बुद्धि का विषय न रहकर स्वभाव बन जाता है। परिणामस्वरूप वह जीवन में उस गुण की संज्ञा में आ जाता है, जहां जो भी होता है, वह सबके लिए सुखकारी और आनंदकारी होता है। पुण्य का कर्ता यदि अहंकार है और पाप का कर्ता भी अहंकार है तो परिणाम दोनों का खराब होगा। जिसमें दूसरे को कष्ट होता है, वह पाप है। जिसमें दूसरे को सुख होता है, वह पुण्य है। पुण्य और पाप वृत्ति हैं, धर्म नहीं। पाप-पुण्य वाणी से भी होते हैं, क्रिया से भी होते हैं, चिंतन से भी होते हैं, दान और परोपकार से भी होते हैं। धर्म के साथ जुड़कर पाप और पुण्य अधिक विराट रूप धारण कर लेते हैं। धर्म जीवन में धारण करने की वस्तु है। धार्मिक व्यक्ति की पहचान है कि वह कहीं पर प्रमाणित होने या दूसरों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ कहलाने की कामना वृत्ति से बहुत ऊपर होता है। ऐसी वृत्ति पुण्य रूप दिखने पर भी पाप को बल देने वाली होती है। तुलसीदास जी जब कहते हैं कि ''नहिं असत्य सम पातक पुंजा'' असत्य से बढ़कर कोई पाप नहीं है, तो उसका तात्पर्य केवल यह नहीं है कि जो वाणी से सत्य बोले वह पुण्यात्मा है, बाकी सब पापी हैं। अपितु वे यह कहना चाहते हैं कि जो सत्य है और जो सत है, उसी सत और सत्य रूप ईश्वर के प्रति जो समर्पित है, उससे कभी पाप होगा ही नहीं। धर्म, व्यक्ति, समाज, जाति कोई भी यदि ईश्वर को समर्पित है तो उसके कार्यों से दूसरों को दुख देने जैसा पाप नहीं होता है। यदि किसी में सबको नीचा दिखाकर सर्वश्रेष्ठ बनने की निम्न महत्त्वाकांक्षा है तो वह न तो पुण्य है, न ही धर्म है। होलिका यदि प्रह्लाद को गोद में लेकर जल जाती है तो इसका तात्पर्य यह नहीं है कि ब्रह्मा का वरदान असत्य सिद्ध हो गया, अपितु तथ्य यह है कि होलिका को यह वरदान नहीं था कि वह दूसरे को मारने के लिए भी उस वरदान का दुरुपयोग पाप के रूप में करे तो भी नहीं जलेगी।

।। श्री महावीराय नमः ।।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (राजस्थान)

वार्षिक मेला - 2026

27 मार्च से 03 अप्रेल 2026

मेले के मुख्य आकर्षण

चैत्र सुदी 9-10 वीर नि.सं. 2552, शुक्रवार 27 मार्च, 2026
मेले की स्थापना

चैत्र सुदी 13 वीर नि.सं. 2552, सोमवार 30 मार्च, 2026
महावीर जयन्ती
प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, जल यात्रा, धर्मसभा, दिव्यांग शिविर
सांस्कृतिक संध्या
(दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीरजी के सौजन्य से)
सांस्कृतिक संध्या
(महानाट्य प्रस्तुति रंगशाला एकेडमी, साधना मादावत इन्दौर द्वारा)

चैत्र सुदी 14 वीर नि.सं. 2552, मंगलवार 31 मार्च, 2026
भक्ति संध्या
(श्री नरेन्द्र कुमार जैन, जयपुर द्वारा)
राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या
(पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के सौजन्य से)

चैत्र सुदी 15 वीर नि.सं. 2552, बुधवार 01 अप्रेल, 2026
सांस्कृतिक संध्या
महिला जागृति संघ, जयपुर द्वारा
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

वैशाख कृष्णा 01 वीर नि.सं. 2552 गुरुवार 02 अप्रेल, 2026
विशाल रथयात्रा एवं कलशाभिषेक

वैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2552 शुक्रवार 03 अप्रेल, 2026
ग्रामीण खेल-कूद, कुश्ती दंगल
मेला समापन

प्रमुख दैनिक कार्यक्रमः सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर द्वारा), भजन, सामूहिक आरती, नृत्य आदि

इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु अनुरोध ।

विनीतः प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल (अध्यक्ष), चन्द्र प्रकाश जैन (उपाध्यक्ष), पूनम चन्द्र शाह (उपाध्यक्ष), उमरावमल संघी (मंत्री), रूपिन के. काला (संयुक्त मंत्री), अनिल पाटनी (दीवान) (संयुक्त मंत्री),हेमन्त सौगानी (कोषाध्यक्ष)
सदस्यः नरेश कुमार सेठी, पदेन अध्यक्ष भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, मुम्बई, डॉ कमल चन्द सौगानी, जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन, अशोक जैन, शान्ति कुमार जैन, कमल कुमार बड़जात्या, जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, अशोक पाटनी, सुभाषचन्द जैन, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, विवेक काला, डॉ. पदमकुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, सुरेश सबलावत

SIDDHA
Jaipur | Kolkata | Mumbai

MahaRERA Registration No.
P51900055793
Website: maharera.mahaonline.gov.in.

MAHAVIR JAYANTI KI HARDIK SHUBHKAMNAYEIN

PROJECT HIGHLIGHTS

- 4+ Acres of Natural Abundance
- Rooftop Skywalk 400 FT Above
- 22,000 Sq. Ft. Resident's Clubhouse
- 60+ Exquisite Indulgences
- Boutique High Street Retail

WADALA, MUMBAI'S

PREMIUM 2 & 3 BED RESIDENCES STARTING ₹2.05CR.*

UPCOMING PROJECTS IN MUMBAI

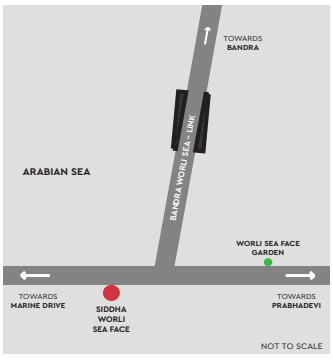

WORLI
Mumbai

ULTRA LUXURY
Apartments

SINGLE APARTMENT
per floor

4000+ SQ FT
Carpet area

NERUL
Navi Mumbai

DESIGN & PLANNING
Architect Hafeez Contractor

5+ ACRES
Prime Real Estate

1100+
2 & 3 Bed Residences

SHIVAJI PARK
Mumbai

GRADE A
Offices

2 ACRES
Prime Real Estate

*T&C Apply.

BEST WISHES: CP JAIN SANJAY JAIN & FAMILY

www.siddhagroup.com 080372 69977

भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्म कल्याणक

महावीर जयन्ती

गुलशनराय जैन

राजीव-सीमा जैन
सौम्या-राहुल पाटनी
अरिहंत-प्रिंसी जैन
आदित्यराज जैन

(गाजियावाद वाले) परिवार

जयपुर • इन्दौर • गाजियावाद

सबका मंगल हो...

एसजेपीएस : वरिष्ठ फोटो पत्रकारों ने विद्यार्थियों को सिखाए मोबाइल एवं बेसिक फोटोग्राफी के गुर

बीकानेर

श्री जैन पब्लिक स्कूल, बीकानेर में आयोजित विशेष फोटोग्राफी कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रही। इस अवसर पर उदयपुर से आए वरिष्ठ फोटो पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप', जयपुर से आए फोटो आर्टिस्ट अजय पारीक तथा SJPS अभिभावक बीकानेर के अंतरराष्ट्रीय फोटो जर्नलिस्ट दिनेश गुप्ता ने 250 से अधिक विद्यार्थियों को फोटोग्राफी के विविध आयामों से अवगत कराया।कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मोबाइल फोटोग्राफी एवं बेसिक कैमरा तकनीकों की बारीकियों को सरल, सहज एवं रोचक ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट फोटोग्राफी केवल महंगे उपकरणों पर निर्भर नहीं होती, बल्कि सही दृष्टिकोण, प्रकाश का संतुलित उपयोग, आकर्षक फ्रेमिंग तथा उचित समय पर क्लिक करना अधिक महत्वपूर्ण होता है। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।इस दौरान राकेश शर्मा 'राजदीप' ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक सफल फोटो पत्रकार बनने के लिए धैर्य, संवेदनशीलता और निरंतर अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं। वहीं अजय पारीक ने मोबाइल फोटोग्राफी के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज के समय में स्मार्टफोन के माध्यम से भी उच्च गुणवत्ता की तस्वीरें ली जा सकती हैं, यदि सही तकनीक और रचनात्मक सोच का उपयोग किया जाए।वहीं , दिनेश गुप्ता ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के सहयोग से फोटोग्राफी की उन्नत तकनीकों एवं भविष्य में इसके महत्वपूर्ण उपयोगों पर प्रकाश डाला।प्रधानाचार्य रूपश्री सिपानी ने विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। शाला अध्यक्ष विजय कुमार कोचर ने विद्यार्थियों के साथ फोटोग्राफी जैसे उपयोगी एवं करियर निर्माण में सहायक विषय पर जानकारी साझा करने के लिए अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।शाला अध्यक्ष विजय कुमार कोचर, सचिव सीए माणक कोचर एवं सीईओ सीमा जैन ने भी इस उपयोगी कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। **रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

धुलियान में श्रद्धा के साथ मनाया गया सुमतिनाथ भगवान का त्रिकल्याणक महोत्सव

ऐलक श्री गोसल सागर जी महाराज के सान्निध्य में भक्तों ने चढ़ाया मोक्ष लड्डू

धुलियान (मुर्शिदाबाद). शाबाश इंडिया। स्थानीय श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में पंचम तीर्थंकर भगवान सुमतिनाथ का जन्म, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह मांगलिक आयोजन ऐलक श्री 105 गोसल सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित किया गया।

भक्तिमय अनुष्ठान और लड्डू समर्पण

समारोह के दौरान विशेष पूजा-अर्चना के मध्य सुमतिनाथ भगवान के जन्म व ज्ञान कल्याणक के अर्घ्य समर्पित किए गए। निर्वाण कल्याणक के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच 'मोक्ष लड्डू' चढ़ाया। इस धार्मिक अनुष्ठान में समाज के सभी वर्गों—युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ जनों—ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आत्म-विशुद्धि की भावना भाई।

आगामी कार्यक्रम: महावीर जन्मकल्याणक

समाज के प्रतिनिधि संजय बड़जात्या ने बताया कि ऐलक श्री गोसल सागर जी महाराज के सान्निध्य में ही आगामी 30 मार्च 2026, सोमवार को भगवान महावीर जन्मकल्याणक का भव्य कार्यक्रम संपन्न होगा। धुलियान जैन समाज इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियों में जुटा है।

नन्हे हाथों में डिजिटल भविष्य: 10 साल के बच्चों ने बनाई वेबसाइट, एआई से दिखाया हुनर

PIMs ICS कॉलेज में एआई प्रशिक्षण, विद्यार्थियों ने रचनात्मकता और तकनीक का किया अद्भुत संगम

उदयपुर। शहर के सहेली नगर स्थित पैसिफिक PIMs ICS कॉलेज में आयोजित एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि उम्र अब सीखने और नवाचार की सीमा नहीं रही। महज 10 वर्ष के बच्चों से लेकर 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों ने बिना कोडिंग के स्वयं की वेबसाइट तैयार कर उसकी प्रभावी प्रस्तुति देकर सभी को चौंका दिया। खास बात यह रही कि कई विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के व्यवसाय के लिए भी डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए, जो तकनीक के व्यावहारिक उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बना।प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में उपयोगी एआई टूल्स का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। उन्होंने एआई की मदद से गीत, वॉइसओवर, प्रेजेंटेशन, प्रोजेक्ट और रिपोर्ट तैयार करना सीखा। साथ ही कॉमिक्स को हिंदी और अंग्रेज़ी में स्टोरी बुक के रूप में विकसित कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। लंबी वीडियो सामग्री को संक्षेप में समझने और उससे संवाद स्थापित करने की तकनीक भी प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा रही।कार्यक्रम में एथिकल एआई के महत्व पर विशेष जोर दिया गया, जिससे विद्यार्थियों को तकनीक का जिम्मेदारीपूर्वक और समाजहित में उपयोग करने की प्रेरणा मिली।PIMs ICS कॉलेज निदेशक डॉ. रिमझिम गुप्ता ने बताया कि इस प्रशिक्षण का संचालन भास्कर डी गर्ग एवं सिद्धार्थ पांडे द्वारा किया गया, जो आईआईटी बॉम्बे से एआई में प्रमाणित हैं और Obliq AI Educational Foundation के संस्थापक हैं। यह पहल स्पष्ट करती है कि एआई आज शिक्षा प्रणाली में तेजी से बदलाव ला रहा है, जहां विद्यार्थी पारंपरिक पढ़ाई के साथ नवाचार, रचनात्मकता और संचार कौशल में भी दक्ष बन रहे हैं।

रिपोर्ट/फोटो: दिव्या लावटी

हम गुरुओं को मानते हैं, लेकिन गुरुओं की नहीं मानते: जैनाचार्य निर्भयसागर

मुरैना में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 20वां आचार्य पदारोहण दिवस

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

हम गुरुओं और साधु-संतों की वाणी सुनते तो हैं, लेकिन उसका अनुसरण नहीं करते। हम गुरुओं को मानते तो हैं, लेकिन गुरुओं की 'आज्ञा' नहीं मानते। जबकि गुरु की वाणी के बिना आत्म-कल्याण संभव नहीं है। उक्त गंभीर और मार्मिक उद्गार 'वैज्ञानिक संत' आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज ने मुरैना के बड़े जैन मंदिर में अपने 20वें आचार्य पदारोहण दिवस के अवसर पर व्यक्त किए।

गुरु आज्ञा ही मोक्ष का मार्ग

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि जैन दर्शन में आचार्यों को मोक्ष मार्ग का मार्गदर्शक मानकर सर्वोच्च स्थान दिया गया है। गुरु की आज्ञा की अवहेलना सम्यक ज्ञान और चारित्र की हानि है। यदि शिष्य अनुशासन में नहीं है, तो उसकी कठोर तपस्या भी निष्फल हो सकती है। उन्होंने विनम्रतापूर्वक कहा, मैं आज जो कुछ भी हूँ, अपने गुरु आचार्यश्री अभिनंदन

सागर एवं आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज के आशीर्वाद से ही हूँ।

भक्तिमय अनुष्ठान और पूजन

सकल दिगंबर जैन समाज मुरैना द्वारा पदारोहण दिवस पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में अभिषेक, शांतिधारा और विशेष पूजन संपन्न हुआ। भक्तों ने श्री महावीर स्वामी विधान के अंतर्गत अर्घ्य समर्पित किए और आचार्यश्री का अष्टद्रव्यों से पूजन कर उनके दीर्घायु होने की कामना की। समारोह में बालिका मंडल और महिला मंडल ने आकर्षक अष्टद्रव्यों के साथ मुनिराजों को अर्घ्य समर्पित किए। संगीत की मधुर धुनों पर गुरुभक्तों ने नृत्य कर अपनी श्रद्धा प्रकट की। कार्यक्रम के दौरान श्रावक श्रेष्ठियों द्वारा पाद-प्रक्षालन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन और शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया गया। धर्मसभा का कुशल संचालन महेंद्र कुमार शास्त्री, संजय शास्त्री, अजय भैयाजी और नवनीत शास्त्री ने किया।

आज निकलेगी भगवान महावीर की भव्य रथयात्रा

महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर आज प्रातः बड़े जैन मंदिर से भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज के सान्निध्य में मुनिश्री भूदत्तसागर, मुनिश्री सुदत्तसागर, क्षुल्लकश्री चंद्रदत्तसागर एवं क्षुल्लकश्री यशोदत्तसागर महाराज के साथ यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करेगी। इसके पश्चात पाण्डुक शिला पर भगवान का कलशाभिषेक, सामूहिक वात्सल्य भोज और रात्रि में पालना झुलाने के कार्यक्रम संपन्न होंगे।

॥ श्री शान्तिनाथाय नमः॥

श्री शान्तिवीर शिवधर्म श्रुत अजित-वर्धमान सुरभ्यो नमः॥

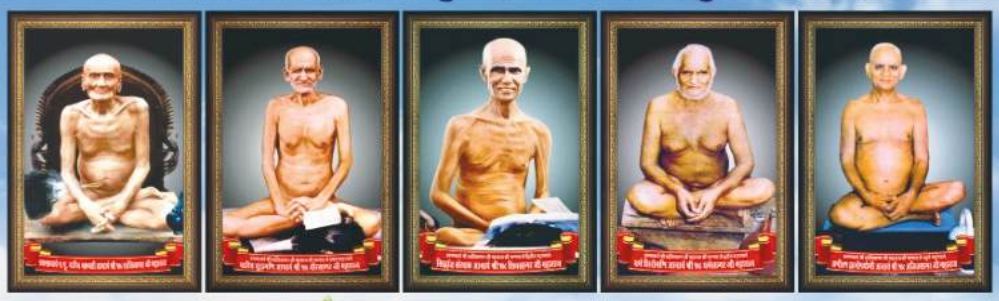

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
शांतिवीर नगर, श्री महावीरजी (राज.)

परम पूज्य मुनिश्री 108
गुणसागर जी महाराज

भव्यातिभव्य मानस्तम्भ के निर्माण के पश्चात् प्रथम बार विराजित चतुर्मुखी जिनबिम्बों का

मानस्तम्भ महामस्तकाभिषेक

परम पूज्या गणिनी प्रमुख105
आर्यिका रत्न श्री ज्ञानमती माताजी

परम पूज्या क्षमामूर्ति 105
आर्यिका रत्न श्री आदिमती माताजी

1 अप्रैल, 2026 शान्तिवीर नगर, श्री महावीरजी (राज.)

पावन सान्निध्य :

पूज्य आर्यिका
श्री १०५ श्रुतमति माताजी

पूज्य आर्यिका
श्री १०५ सुबोधमति माताजी

प्रथम कलशकर्त्ता पुण्यार्जक परिवार
श्रावक श्रेष्ठी श्रीमान् चांदमलजी,गणपतरायजी, रतनलालजी,भागचन्दजी पांड्या सरावगी परिवार बंगलौर, गुवाहाटी

साधर्मी बन्धुओं,
सादर जय जिनेन्द्र।

20 वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत पूज्य आर्यिकारत्न आगमरक्षिका 105 आदिमति माताजी के संघस्थ पूज्य आर्यिका श्री १०५ श्रुतमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका श्री 105 सुबोधमति माताजी की सत्प्रेरणा एवं सान्निध्य में भव्यातिभव्य मानस्तम्भ में विराजित चतुर्मुखी जिनबिम्बों का भव्य महामस्तकाभिषेक आयोजित किया जा रहा है।

कृपया सपरिवार पधारकर धर्मलाभ का पुण्यार्जन करें।

प्रतिष्ठाचार्य : श्री सुरेश चन्द जी शास्त्री, निवाई (राज.)

निवेदक एवं आयोजक :

ट्रस्ट कमेटी, श्री शान्तिवीर दिगम्बर जैन संस्थान

शांतिवीर नगर, वाया श्री महावीरजी, जिला: करौली- 322 220 (राज.)
दूरभाष : 07469-224482 मो. 94143-29103

दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का भव्य समापन

मंडावर के 63 विद्यार्थियों ने सीखी 'देवभाषा'

झालरापाटन/मंडावर. शाबाश इंडिया। संस्कृत भारती बाघेर मण्डावर के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय 'संस्कृत संभाषण शिविर' का समापन समारोह बाल विद्या मंदिर, मंडावर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता केवट समाज के जिला अध्यक्ष फूलचंद बलावत ने की। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार पाटीदार ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने नई पीढ़ी को संस्कृत से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे संस्कारों की जननी बताया। संस्कृत भारती के पदाधिकारी आत्माराम गुर्जर, सीताराम गोड़, हेमराज नागर और सेवानिवृत्त रामगोपाल कच्छावा ने संस्कृत के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

63 विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

शिविर संयोजक सावन बलावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण में विभिन्न विद्यालयों के कुल 63 बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों ने क्लिष्ट मानी जाने वाली संस्कृत भाषा को सरल और व्यावहारिक रूप में बोलना सीखा। शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए: **संस्कृत गीत गायन:** मोनिका चौरसिया (प्रथम), तमन्ना चौरसिया (द्वितीय) और नायरा प्रजापति (तृतीय)। **खेल प्रतियोगिता:** मानव राज (प्रथम), तरुण (द्वितीय) और दक्षराज सिंह (तृतीय)। इस गरिमामयी अवसर पर अक्षिता यादव, किट्टू प्रजापति, साहिल बलावत, वेलकम बलावत, राजू कच्छावा, विष्णु कच्छावा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। **रिपोर्ट: आजाद शेरवानी**

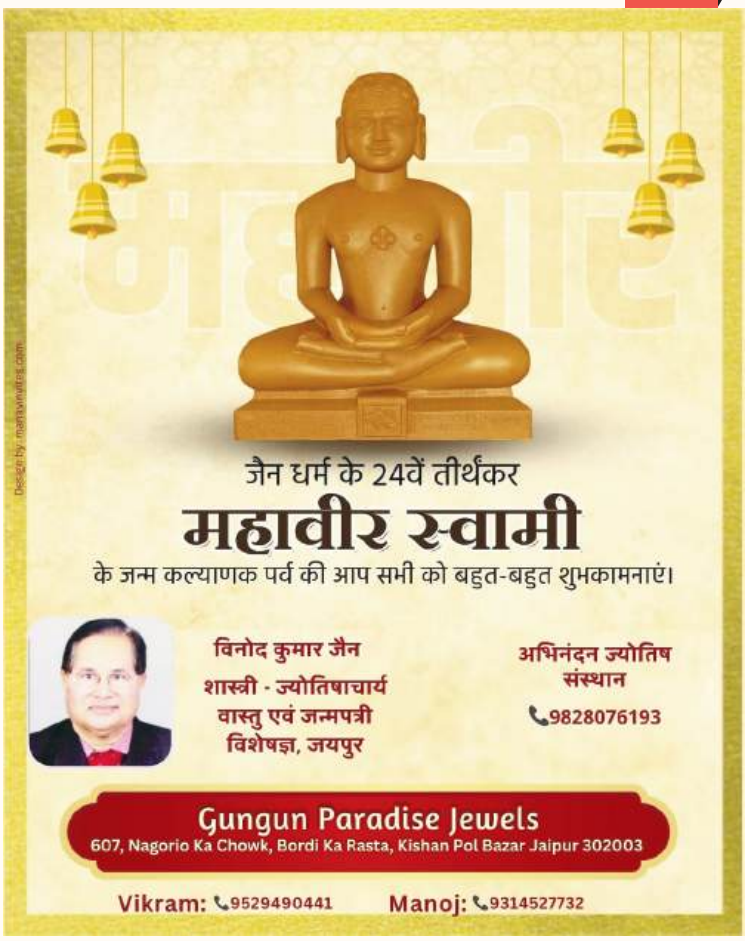

प्रभातफेरी के साथ गूंजा 'जय महावीर' का जयघोष

महल योजना क्षेत्र में भगवान महावीर के जन्म कल्याणक की पूर्व बेला पर उमड़ा उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महामहोत्सव की पूर्व बेला पर 'महल योजना' क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। सकल जैन समाज द्वारा आयोजित प्रभातफेरी में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान महावीर के अहिंसात्मक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया।

भक्तिमय प्रभातफेरी और जयघोष

समिति समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि सुबह की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालु हाथों में धर्म ध्वजा और महावीर स्वामी के संदेशों की तख्तियां लिए मंदिर प्रांगण में एकत्रित हुए। 'त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की' के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और पालना महोत्सव

प्रातः श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के पश्चात आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। नन्ही बालिकाओं ने 'इंद्राणी' के रूप में बालक वर्धमान (महावीर स्वामी) को पालना झुलाया, जिसे देखकर उपस्थित जन भाव-विभोर हो उठे। मधुर भजनों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूरी तरह भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

समाज जनों की गरिमामयी उपस्थिति

इस भव्य आयोजन में वीणा अशोक, रिद्धि मयंक, शिवानी शशांक, निर्मला मुकेश, अनूप, शिव कुमार, नवीन, रूपेश, भागचंद, मैना, अंकित, हेमंत और ज्योति सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे।

सभी ने भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल, हमारे प्रेरणास्रोत

स्व. श्री भंवर लाल जी छाबड़ा

की 40 वीं पुण्यतिथि 30.03.2026 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

—: श्रद्धावनद :—

कमलचंद छाबड़ा—श्रीमती तारा देवी छाबड़ा (पुत्र, पुत्र—वधू), मनीष—निशा, सपन—रजनी, रवि—ऋतु, (पौत्र—पौत्रवधू), ममता—शरद् जी सेठी (पौत्री—दामाद), मोहांशी, कथांश, दैविक, आरवी, वैदिक तथा संभव (प्रपौत्र—प्रपौत्री) सहित समस्त छाबड़ा परिवार

—: प्रतिष्ठान :—

♦ मनीष इंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रैक्टर) ♦ मनीष छाबड़ा एंड कंपनी (चार्टर्ड अकाउंटेंट्स) ♦ एस. आर. ब्रदर्स (इलेक्ट्रिक सामान के विक्रेता) ♦ रवि एंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर)♦ Fundex capital (Wealth management, Insurance & mutual fund advisor) ♦ AU Polyplast (Manufacturer of PVC pipes)

1008 श्री दि. जैन शांतिनाथ मंदिर, इंजीनियरिंग कॉलोनी, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर
मो. 9928012288, 9314019230

नई स्कोडा कुशाक का नया स्वरूप: उदयपुर में शैली और तकनीक का नया अध्याय

शांता स्कोडा विक्रय केंद्र पर भव्य लोकार्पण, सुविधाओं और प्रदर्शन का दमदार संगम

उदयपुर. शाबाश इंडिया

स्कोडा ऑटो इंडिया की बहुप्रतीक्षित नई 'कुशाक' के नवीन स्वरूप (फेसलिफ्ट) का उदयपुर में शानदार अंदाज में अनावरण किया गया। शहर के शांता स्कोडा विक्रय केंद्र (शोरूम) में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रादेशिक परिवहन अधिकारी (आरटीओ) ज्ञान देव विश्वकर्मा ने आधिकारिक रूप से इसका लोकार्पण किया। इस समारोह में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, वाहन प्रेमी और विशिष्ट ग्राहक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारतीय प्रतिबद्धता का प्रतीक

इस अवसर पर शांता स्कोडा के निदेशक राजीव नामजोशी ने कहा कि यह नया प्रारूप केवल एक वाहन नहीं, बल्कि भारतीय ग्राहकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यूरोपीय अभियांत्रिकी को भारतीय जरूरतों के अनुरूप पेश करते हुए यह कार ग्राहकों के भरोसे को और मजबूत करेगी।

अत्याधुनिक सुविधाएं और यंत्र विन्यास

नई कुशाक अपने श्रेणी में कई नए मानक स्थापित करती है। इसमें पहली बार पिछली सीट पर मर्दन यंत्र (मसाजर) और 8-गति वाला टॉर्क कन्वर्टर गियरबॉक्स जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इसके साथ ही विशिष्ट 'मॉन्टे कार्लो' संस्करण को शुरूआत से ही 1.0 टीएसआई और 1.5 टीएसआई इंजन विकल्पों में उपलब्ध कराया गया है, जिससे ग्राहकों को बेहतर प्रदर्शन और चयन के अवसर मिलते हैं।

सुरक्षा और सुख-सुविधाएं

मुख्य विशेषताओं की बात करें तो आधार संस्करण (बेस वेरिएंट) से ही विद्युत संचालित सनरूफ, स्वचालित वातानुकूलन, वर्षा-संवेदी वाइपर, स्वतः धुंधला होने वाला दर्पण और प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) शीर्ष दीप (हेडलैंप) जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जो इसे अपने वर्ग की सबसे उन्नत एसयूवी बनाती हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इसकी बनावट, तकनीक और आधुनिक सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे भारतीय बाजार के लिए एक मजबूत और आकर्षक प्रस्तुति बताया।

प्रतिवेदन/छायाचित्र:
राकेश शर्मा 'राजदीप'

सिद्धचक्र महामंडल विधान विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न, निकली भव्य शोभायात्रा

पिड़ावा में 20 वर्षों बाद मुनि संघ के सान्निध्य में हुआ ऐतिहासिक आयोजन

पिड़ावा (सौरभ जैन). शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रमुख एवं महान धार्मिक अनुष्ठानों में से एक 'सिद्धचक्र महामंडल विधान' का समापन विश्व शांति महायज्ञ के साथ पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति भावपूर्वक किया गया। इस मांगलिक अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें जन-सैलाब उमड़ पड़ा।

आठ दिवसीय अनुष्ठान की झलकियां

दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता (स्पोक्सपर्सन) मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि सकल समाज के तत्वावधान में महिला मंडल के सहयोग से यह आयोजन 22 मार्च से 29 मार्च तक पार्श्वनाथ जिनालय (नया मंदिर), खंडूपुरा में आयोजित हुआ। यह अनुष्ठान परम पूज्य मुनि विवर्धन सागर महाराज एवं मुनि विश्वनायक सागर महाराज सहित पंच पिच्छिका मुनिराज के पावन सान्निध्य में 20 वर्षों के दीर्घ अंतराल के पश्चात संपन्न हुआ। विद्वान पंडित राजकुमार के निर्देशन में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, मंत्र जाप एवं नित्य नियम पूजन मधुर संगीत की स्वर लहरियों के बीच संपन्न हुआ। विधान के अंतर्गत श्रद्धालुओं द्वारा पूर्ण श्रद्धा के साथ 1024 अर्घ्य समर्पित किए गए।

शोभायात्रा और भक्ति का संगम

रविवार को विश्व शांति महायज्ञ के पश्चात प्रातः 8:30 बजे भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। इसमें इंद्र-इंद्राणियों ने जिनवाणी माता एवं मंगल कलश धारण कर भक्ति भाव से नगर भ्रमण किया। शोभायात्रा नयापुरा, खांडूपुरा, पिपली चौक, शहर मोहल्ला एवं सेठान मोहल्ला होते हुए पुनः पार्श्वनाथ मंदिर पहुँची। इस दौरान पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्रों में एवं महिलाएं केसरिया साड़ियों में नृत्य करते हुए सम्मिलित हुईं।

मुनि वाणी और सम्मान

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि विवर्धन सागर महाराज ने कहा कि पिड़ावा के श्रद्धालुओं की भक्ति अतुलनीय है। सिद्धचक्र महामंडल विधान आत्मशुद्धि, आंतरिक शांति एवं मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर मुनि संघ के पाद-प्रक्षालन का सौभाग्य दिनेश जैन परिवार को प्राप्त हुआ। शास्त्र भेंट करने का पुण्य अर्जन राजेंद्र जैन (खंडूपुरा) एवं रमेश जैन (लुहाड़िया, सुसनेर) ने किया।

वात्सल्य भोज और आभार

अनुष्ठान के पश्चात जैन धर्मशाला (कटला खांडूपुरा) में समाजजनों एवं अतिथिगणों के लिए वात्सल्य भोज (सामूहिक प्रीतिभोज) का आयोजन किया गया। अंत में विधान प्रभारी (इंचार्ज) सचिन जैन ने सफल आयोजन हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर की 2625वीं जयंती (30 मार्च 2026) पर विशेष

वर्तमान संदर्भ में भगवान महावीर के 'अहिंसा सिद्धांत' की प्रांसगिकता

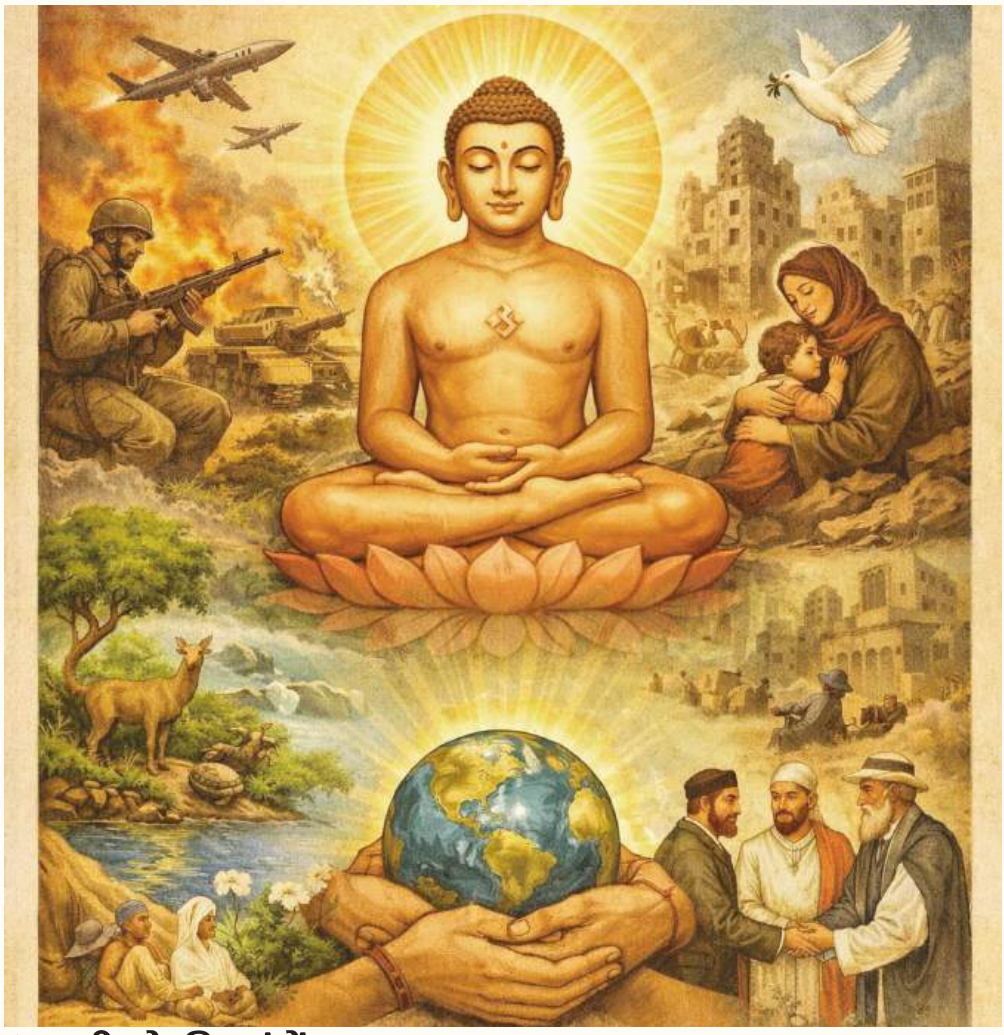

(महावीर के सिद्धांतों से ही वैश्विक शांति संभव)

डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर

आज का वैश्विक परिदृश्य गहन चिंता का विषय बन गया है। विज्ञान और तकनीक की अभूतपूर्व ऊँचाइयों को छू लेने के पश्चात भी मानव का अंतर्मन असंतुलित और अशांत दिखाई देता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-गाजा संघर्ष तथा इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य ने आंतरिक शांति को कहीं खो दिया है। ऐसे संक्रमणकाल में भगवान महावीर का अहिंसा-संदेश केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं, बल्कि वैश्विक नीति का आधार बनने की क्षमता रखता है।

साधना से सिद्धि तक: वर्धमान से महावीर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म वैशाली के कुंडग्राम में हुआ। वर्धमान से महावीर बनने की उनकी यात्रा आत्मसंयम, तप और ज्ञान की चरम परिणति का प्रतीक है। बारह वर्षों की कठोर साधना के पश्चात उन्होंने केवलज्ञान (परम ज्ञान) प्राप्त किया और मानवता को अहिंसा, सत्य एवं अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का अमूल्य उपहार प्रदान किया।

शुद्ध भावों का अनुभव ही अहिंसा है

महावीर स्वामी की मूल शिक्षा अहिंसा है। सुप्रसिद्ध जैनाचार्य अमृतचंद्र ने हिंसा और अहिंसा के विवेक को सूत्ररूप में अत्यंत सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया है:

''अप्रादुर्भावः खलु रागादीनां भवत्यहिंसेति।
तेषामेवोत्पत्तिहिंसेति जिनागमस्य संक्षेपः॥''

अर्थात रागादि विकारों (क्रोध, मान, माया, लोभ) का अभाव ही अहिंसा है और उनका उदय होना ही हिंसा है—यही जैन आगम का सार है। जैन सिद्धांत के अनुसार 'प्रमत्तयोग' अर्थात प्रमादयुक्त (असावधान) प्रवृत्ति से प्राणों का हरण करना ही हिंसा है। यहाँ स्पष्ट है कि असंयम ही हिंसा का मूल कारण है।

अहिंसा का व्यापक स्वरूप

अहिंसा का अर्थ केवल भौतिक हत्या न करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है—किसी भी प्राणी को तन, मन, वचन और कर्म से किसी प्रकार की पीड़ा न पहुँचाना। महावीर के चिंतन में अहिंसा एक सजीव चेतना है, जो करुणा, संवेदना और सह-अस्तित्व की भावना को जन्म देती है। क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या जैसे सूक्ष्म भाव ही हिंसा के वास्तविक स्रोत हैं। इसीलिए भगवान महावीर ने अहिंसा की स्थापना मन के स्तर से प्रारंभ करने पर बल दिया।

वाचिक संयम और आधुनिक युग

आज के अंककीय युग (डिजिटल युग) में वाणी की अहिंसा अत्यंत आवश्यक हो गई है। शब्दों की तीक्ष्णता शस्त्र से भी अधिक घातक हो सकती है। सामाजिक माध्यमों (सोशल मीडिया) पर फैलती कटुता और घृणा इस बात का प्रमाण है कि वाचिक हिंसा समाज को किस प्रकार विभाजित कर रही है। जब तक मन और वाणी संयमित नहीं होंगे, तब तक कर्मों में अहिंसा संभव नहीं है।

शूरवीरों की अहिंसा

भगवान महावीर की अहिंसा शूरवीरों की अहिंसा है, कायरों की नहीं। अहिंसा का पालन करने के लिए अभय (डर का अभाव) और आत्मसंयम आवश्यक है। यह निर्बलता नहीं, बल्कि आंतरिक शक्ति का प्रतीक है, जो मनुष्य को स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देती है।

अनेकांतवाद: वैचारिक अहिंसा का मार्ग

अनेकांतवाद महावीर के अहिंसा-सिद्धांत का बौद्धिक विस्तार है। यह हमें सिखाता है कि सत्य बहुआयामी है। जब हम दूसरे के विचार को स्वीकारते हैं, तभी वैचारिक हिंसा समाप्त होती है। वर्तमान विश्व के वैचारिक संघर्षों का समाधान इसी दृष्टि में निहित है।

अपरिग्रह और आत्मविजय

अपरिग्रह का अर्थ है कि आवश्यकता से अधिक संग्रह न करना। संतोष और संयम का जीवन ही अहिंसा को संभव बनाता है। भगवान महावीर ने कोई युद्ध नहीं किया, फिर भी वे 'महावीर' कहलाए, क्योंकि उन्होंने स्वयं के विकारों को जीता।

यद्यपि युद्ध कियो नहीं, नाहि रखे असि-तीर,
परम अहिंसक आचरण, तदपि बने महावीर।

भगवान महावीर की 2625वीं जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक चेतना का आह्वान है। ''परस्परोपग्रहो जीवानाम्'' का उनका उद्घोष सिद्ध करता है कि समस्त जीवन परस्पर जुड़ा हुआ है। आज जब विश्व हिंसा के अंधकार में भटक रहा है, तब महावीर का अहिंसा-संदेश एक प्रकाश-स्तंभ की भाँति मार्गदर्शन कर रहा है।

डॉ. सुनील जैन 'संचय'
(लेखक एवं चिंतक)
संपर्क : 9793821108
विद्युत डाक (ईमेल):
Suneelsanchay@gmail.com

'नारी शक्ति सम्मान 2026' से सम्मानित हुई डॉ. दर्शना जैन

जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में 8 राज्यों की 36 प्रतिभाओं का हुआ अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'माही संदेश' और सीके बिड़ला चिकित्सालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 29 मार्च 2026 को 'नारी शक्ति सम्मान समारोह 2026' एवं 'स्वास्थ्य जागरूकता संवाद' का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीके बिड़ला चिकित्सालय के प्रशासनिक खंड में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर 'माही संदेश' और 'रघु सिन्हा माला माथुर धर्मार्थ न्यास' की ओर से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं का अभिनंदन किया गया। समारोह में राजस्थान सहित देश के 8 विभिन्न राज्यों से पधारीं 36 प्रतिभावान व सशक्त महिलाओं को 'प्रेमा माथुर प्रेरणा पुरस्कार', 'माला माथुर नारी शक्ति सम्मान', 'तारा देवी नारी शक्ति सम्मान' और 'एलिजाबेथ जरीन नारी शक्ति सम्मान 2026' से अलंकृत किया गया। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में जयपुर की डॉ. दर्शना जैन को 'प्रेमा माथुर प्रेरणा पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया। डॉ. दर्शना जैन ने प्राचीन प्राकृत एवं अपभ्रंश भाषा की पांडुलिपियों एवं मूल ग्रंथों का अनुवाद कर इन लुप्तप्राय भाषाओं को पुनर्जीवित और प्रोन्नत करने का सराहनीय कार्य किया है। यह सम्मान डॉ. दर्शना के साथ-साथ हमारी प्राचीन भाषाई विरासत का भी सम्मान है। कार्यक्रम की रूपरेखा माही संदेश के संरक्षक सुधीर माथुर, प्रधान संपादक रोहित कृष्ण नंदन और समन्वयक भरत कोराना के कुशल निर्देशन में तैयार की गई।

सखी गुलाबी नगरी

!! महावीर जयंती !!

की हार्दिक शुभकामनाएं

अहिंसा की शक्ति, संयम का वेश।
सुख, शांति, सद्भाव ही, महावीर का उपदेश।।

सखी गुलाबी नगरी जयपुर

अध्यक्ष : सुषमा जैन

संस्थापक अध्यक्ष : सारिका जैन

सचिव : ममता सेठी

उपाध्यक्ष अनिता जैन

उपाध्यक्ष स्वाति जैन

संयुक्त सचिव रितु जैन

संयुक्त सचिव: मोनिका जैन

संयुक्त सचिव नेहा जैन

कोषाध्यक्ष सरोज जैन

सांस्कृतिक मंत्री आशा जैन

पीआरओ सुनीता करेरा

पीआरओ दिव्या जैन

कार्यकारिणी सदस्य

निकिता जैन

रानी पाटनी

अंकिता बिलाला

अनिला बास्को

एकता जैन

मोनिका जैन

मैनु वेद

प्रिया छाबड़ा

रिचा जैन

एवं समस्त सदस्य सखी गुलाबी नगरी, जयपुर

भगवान महावीर जन्मोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं

जे.के. जैन कालाडेरा

डॉ. करेश-अलीशा
विहान, आहान

पुनीत-निधी
युवान, आयरा

कालाडेरा, जयपुर, लंदन

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
डॉ. एम.एल. जैन 'मणि'- डॉ. शान्ति जैन 'मणि'
डॉ. मनीष जैन 'मणि'- डॉ. अलका जैन
रितु, डॉ. श्रेय एवं हार्दिक जैन
एम्बीशन किड्स एकेडमी परिवार- 9828088810

भगवान महावीर
के जन्म कल्याणक दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

KUMKUM
PHOTOS
9829054966, 9829741147
Best Professional Wedding
Photographer In Jaipur
WWW.KUMKUMPHOTOSJAIPUR.COM

भगवान महावीर जन्मोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं

संरक्षक
श्रीमती चंदा सेठी

अध्यक्ष
श्रीमती रेखा लुहाड़िया

मंत्री
श्रीमती रानी सौगानी

उपाध्यक्ष
श्रीमती रेणु पाण्ड्या

संयुक्त मंत्री
श्रीमती रितु बांदवाड

कोषाध्यक्ष
श्रीमती वर्षा अजमेरा

सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती सीमा सेठी

सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती रेखा पाटनी

प्रचार-प्रसार मंत्री
श्रीमती मोना बांदवाड

आहारचर्या मंत्री
श्रीमती प्रेम देवी बाकलीवाल

आहारचर्या मंत्री
श्रीमती सुशीला काला

कार्यकारिणी सदस्य

श्रीमती छवि जैन
श्रीमती सुनीता पाटोदी
श्रीमती पुष्पा गंगवाल
श्रीमती रानी बोहरा
श्रीमती नीरू पाण्ड्या
श्रीमती संगीता काला
श्रीमती शिल्पी काला
श्रीमती प्रीती पाटनी
श्रीमती सुशीला कासलीवाल
श्रीमती सीमा बाकलीवाल
श्रीमती माया संगही

श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल
दुर्गापुरा, जयपुर

अधर्मी का अंत: अन्याय से अर्जित धन का सत्य परिणाम

''अन्याय से अर्जित धन जड़ समेत सर्वनाश लाता है।'' यह कोई मात्र कहावत नहीं, बल्कि जीवन का कठोर और अटल सत्य है। इतिहास, धर्म और वर्तमान समाज—तीनों इस बात के साक्षी हैं कि जो व्यक्ति छल, कपट, अत्याचार और अधर्म के मार्ग से धन कमाता है, उसका अंत कभी सुखद नहीं होता। प्रारंभ में भले ही ऐसा व्यक्ति ऐश्वर्य और वैभव का प्रदर्शन करे, परंतु यह वैभव भीतर से खोखला होता है और समय आने पर वही उसकी जड़ें काटने और पतन का कारण बनता है।

धर्म और नीति का दृष्टिकोण

धर्मशास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि अधर्म से कमाया गया धन केवल बाहरी सुख देता है, लेकिन आत्मा को भीतर से अशांत और दुर्बल बना देता है। ऐसा धन न केवल व्यक्ति के विवेक को नष्ट करता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों को भी संकट में डाल देता है। प्रायः देखा गया है कि अन्याय से अर्जित संपत्ति कुछ समय तक तो फलती-फूलती प्रतीत होती है, लेकिन अचानक ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं कि सब कुछ समाप्त हो जाता है—मान, प्रतिष्ठा, संबंध और मानसिक शांति, सब छिन जाते हैं।

कर्म का अटल सिद्धांत

अधर्मी व्यक्ति यह भूल जाता है कि कर्म का सिद्धांत अटल है। हर कर्म का फल निश्चित है और उसे भोगना ही पड़ता है। जब कोई व्यक्ति दूसरों का अधिकार छीनकर, धोखा देकर या अत्याचार करके धन संचय करता है, तो वह वास्तव में अपने लिए दुःख और विनाश के बीज बो रहा होता है। यह बीज समय के साथ वटवृक्ष बनता है और एक दिन ऐसा आता है जब वह स्वयं उसी जाल में फँस जाता है, जिसे उसने दूसरों के लिए बुना था।

सामाजिक उदाहरण और पतन

समाज में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जहाँ बड़े-बड़े धनवान और प्रभावशाली लोग अचानक पतन का शिकार हो जाते हैं। इसका कारण केवल बाहरी परिस्थितियाँ नहीं होतीं, बल्कि उनके अधर्म से अर्जित धन का दुष्परिणाम होता है। यह पतन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक भी होता है, जिससे व्यक्ति पूरी तरह टूट जाता है।

सच्ची समृद्धि का मार्ग

इसके विपरीत, जो व्यक्ति धर्म, सत्य और ईमानदारी के मार्ग पर चलता है, वह भले ही प्रारंभ में संघर्ष करे, लेकिन उसका जीवन अंततः स्थिर, शांत और सम्मानपूर्ण होता है। धर्म से अर्जित धन में संतोष और स्थायित्व होता है, जो किसी भी प्रकार के संकट में भी व्यक्ति को संबल प्रदान करता है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना आवश्यक है कि जीवन में धन कमाना अनुचित नहीं है, लेकिन उसके अर्जन की पद्धति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि धन प्राप्ति का मार्ग अधर्म, अन्याय और छल से होकर गुजरता है, तो वह संपदा नहीं, बल्कि विनाश का निमित्त बनता है। सच्ची समृद्धि वही है जो धर्म के मार्ग से प्राप्त हो और जो आत्मा को असीम शांति प्रदान करे। अधर्म का अंत निश्चित है और अन्याय का धन कभी स्थायी सुख नहीं दे सकता। यह केवल एक भ्रम है, जो समय के साथ टूट जाता है और पीछे केवल पछतावा और विनाश छोड़ जाता है।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
सचल दूरभाष: 9215635871

Mahesh Kala 98292-20151
Dinesh Pareek 87695-45684 93144-80728
Mahesh Kala Associates
Real Estate Consultants
Office: M-1, Divya Mall, Lal Kothi, Tonk Road Jaipur-302015
भगवान महावीर जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

महेश काला
अध्यक्षः वीर सेवक मंडल
उपाध्यक्ष : फोर्टी
कोषाध्यक्षः श्री दिगंबर जैन महावीर शिक्षा परिषद
Branch Office: Shop No. 2, Mahal Aangan, Mahal Road, Jaipur

भगवान महावीर जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
नीरज-रेखा जैन
महामंत्री - श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, मुरलीपुरा
सचिव - दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन, जयपुर
अध्यक्ष - दि. जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर
अध्यक्ष - राज. जैन युवा महासभा विद्याधर नगर जोन

भगवान महावीर जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेश कासलीवाल
मीडिया प्रभारी
अखिल भारतवर्षीय दि. जैन परिषद राज. प्रांत
नीना कासलीवाल (पत्नी), प्रियांक-प्रियांशी कासलीवाल (पुत्र-पुत्रवधू)
18 -ए विश्वेशरिया नगर, त्रिवेणी रोड, जयपुर @ 9462191401

भगवान महावीर जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
एम.एस.ज्वैलर्स
मुकेश सौगानी 98290-56224
मनोज सौगानी 97999-98984
मनव सौगानी 97999-98981

MS Jewellerys
54 पहली मंजिल, कानोता मार्केट, हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर
2575224, 2571304

सभी प्रकार के चाँदी के बर्तन, जेवर एवं चाँदी के छत्र, सिंहासन, पाण्डुशिला, भामण्डल, पूजा के बर्तन, आरती, दीपक,
सभी प्रकार के जैन मन्दिर के आईटम एवं चाँदी,
तांबे के सिक्के एवं चाँदी से निर्मित फर्नीचर के निर्माता एवं विक्रेता
mukeshsoganimsj@yahoo.co.in

महावीर जयंतीः आदिनाथ नवयुवक मंडल ने वृद्धाश्रम में किया सेवा कार्य

ब्यावर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर 'श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नवयुवक मंडल' द्वारा रविवार को 'ब्रह्मानंद जी की बगीची' स्थित वृद्धाश्रम में मानवीय सेवा कार्य आयोजित किया गया। प्रातः 10:30 बजे प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में मंडल के सदस्यों ने आश्रम के वृद्धजनों को भक्ति भाव से भोजन प्रसादी एवं फलों का वितरण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि निस्सहायों की सहायता ही महावीर स्वामी के सिद्धांतों का वास्तविक पालन है। मंडल के सदस्यों ने समाज में सेवा भावना और करुणा को बढ़ावा देने का प्रेरक संदेश भी दिया। इस पुनीत कार्य में दिगंबर जैन पंचायत (मारवाड़ी धड़ा) के सचिव आनंद जी गंगवाल, मंडल अध्यक्ष जम्बू कासलीवाल एवं सचिव सुधीर पाटनी सहित सनत कासलीवाल, अभिषेक पाटनी, श्रेणिक छाबड़ा, पीयूष कासलीवाल, धर्मीचंद पाटनी, भावित गंगवाल, नितिन छाबड़ा, संजय बड़जात्या, कपिल गदिया, प्रतीक पाटनी एवं अन्य गणमान्य सदस्य व महिला वर्ग उपस्थित रहा।

भगवान महावीर स्वामी के
जन्म कल्याणक महोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

संजय-सपना
आहना,
अनीशा, अरिन

एवं समस्त छाबड़ा परिवार
आवां वाले जयपुर

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

आर. बडजात्या केटर्स
Mouth Watering Taste and High Class Catering for your memorable event.
Birthday, Engagement, Anniversary, Wedding, Mehendi, Haldi, Get-Together
एस-9, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
मो. 9785074581, 9887866995, 8952843828

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

संरक्षक
महिला मंडल दुर्गापुरा
*
अध्यक्ष
त्रिशला संभाग दुर्गापुरा
*
समन्वयक, टोंक रोड,
राजस्थान जैन युवा महासभा
*
प्रभारी दुर्गापुरा,
भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा

राजकुमार-चंदा सेठी
प्लाट नं. 91, श्री जी नगर,
दुर्गापुरा, जयपुर

भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार

मोहनलाल गंगवाल
अध्यक्ष

विजय कुमार पांड्या
सचिव

सुरेश जैन सांतीकुई
कार्याध्यक्ष

कैलाश सेठी
कोषाध्यक्ष

संरक्षक
सतीश कुमार बाकलीवाल,
निर्मलचंद सोगानी,
विजय कुमार दीवान,
प्रो. आई.पी.जैन,
डॉ. सुनील कुमार जैन
सुभाष सेठी
पदम चन्द खजांची

पर्यटन मंत्री
अनिल कुमार गोधा

उपाध्यक्ष
धर्म चन्द जैन
(निवाई वाले),
सुरेंद्र कुमार गोधा

पूर्व अध्यक्ष
महावीर बाकलीवाल

मुख्य परामर्शक
चन्द्र कांता छाबड़ा

सलाहकार
कुन्दन मल जैन सोनी,
नरेंद्र कुमार पाटनी

स्वादय मंत्री
संतोष कुमार जैन
ज्ञान चन्द जैन
प्रेमचंद गंगवाल

प्रचार मंत्री
प्रेमलता सेठी

मुख्य समन्वयक
शशी सेन जैन

संगठन मंत्री
नरेन्द्र कुमार जैन
ज्ञानचंद गंगवाल

सह कोषाध्यक्ष
अजीत कुमार जैन

धार्मिक मंत्री
पूरणमल अनोपडा
डॉ. सुशीला जैन टोंग्या
नरेन्द्र कुमार बाकलीवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजेन्द्र बाकलीवाल (बरसी वाले)
अरुण कुमार जैन

संचालक गण
सुशीला त्यागी
रतन सोगानी
निर्मला रारा
मन्जु पूरी
कुसुम लता बज

सांस्कृतिक मंत्री
कौशल्या जैन
सुलोचना पाटनी
राज कुमारी सोगानी
अलका जैन

एवं समस्त दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार परिवार

भगवान महावीर स्वामी के
जन्म कल्याणक महोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

रमेश चंद्र-सुमति देवी
यश कमल-संगीता
विभोर-आयुशी अजमेरा

भीलवाड़ा में चमत्कारिक 'जिनसहस्त्रनाम' विधान और मंडल पूजा उत्साहपूर्वक संपन्न

मुनिश्री अरह सागर और आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में गूंजे भक्ति के स्वर

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। स्थानीय अग्रवाल उत्सव भवन परिसर में मुनिश्री अरह सागर महाराज एवं श्रमणी गणिनी आर्यिकारत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में 'चमत्कारिक जिनसहस्त्रनाम महामंडल विधान' एवं पूजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर 24 जिन प्रतिमाओं का 1008 रिद्धि मंत्रों से अभिषेक किया गया।

अनुष्ठान का शुभारंभ और ध्वजारोहण

विधानाचार्य जयकुमार शास्त्री के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ मांगलिक क्रियाएं प्रारंभ हुईं। श्रीमती अंजना देवी, चंद्रकांता, अर्चना, नरेश-सीमा एवं मुकेश पाटोदी परिवार ने विधि-विधान से ध्वजारोहण किया। त्रिलोकचंद एवं सौरभ छाबड़ा परिवार द्वारा पंडाल का उद्घाटन करते ही समूचा वातावरण जयकारों से गूंज उठा।

रिद्धि मंत्रों से अभिषेक और आहुतियां

शास्त्रोक्त विधि से जल-शुद्धि और कलश स्थापना के पश्चात, 24 पांडुशिलाओं पर विराजमान तीर्थंकरों की प्रतिमाओं का 1008 रिद्धि मंत्रों द्वारा अभिषेक किया गया। मुनिश्री और माताजी के मार्गदर्शन में संगीत की मधुर लहरियों के बीच इंद्र-इंद्राणियों ने उमंग के साथ 1008 अर्घ्य समर्पित किए और 24 हवन कुंडों में पवित्र आहुतियां प्रदान कीं। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि जो भक्त पूर्ण श्रद्धा और समर्पण से प्रभु की भक्ति करता है, उसे कष्टों से मुक्ति और परम शांति अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने जिनसहस्त्रनाम विधान की महिमा बताते हुए कहा कि इन प्रतिमाओं के अभिषेक के 'गंधोदक' को मस्तक पर धारण करने से संकटों का निवारण होता है। माताजी ने अपने जीवन के दृष्टांतों के माध्यम से इस विधान के पठन और मनन के सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

समापन और सहभागिता

विधान के पूर्ण होने पर सभी जिन प्रतिमाओं को श्रावकों द्वारा ससम्मान यथास्थान विराजित किया गया। इस भव्य धार्मिक आयोजन में भीलवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

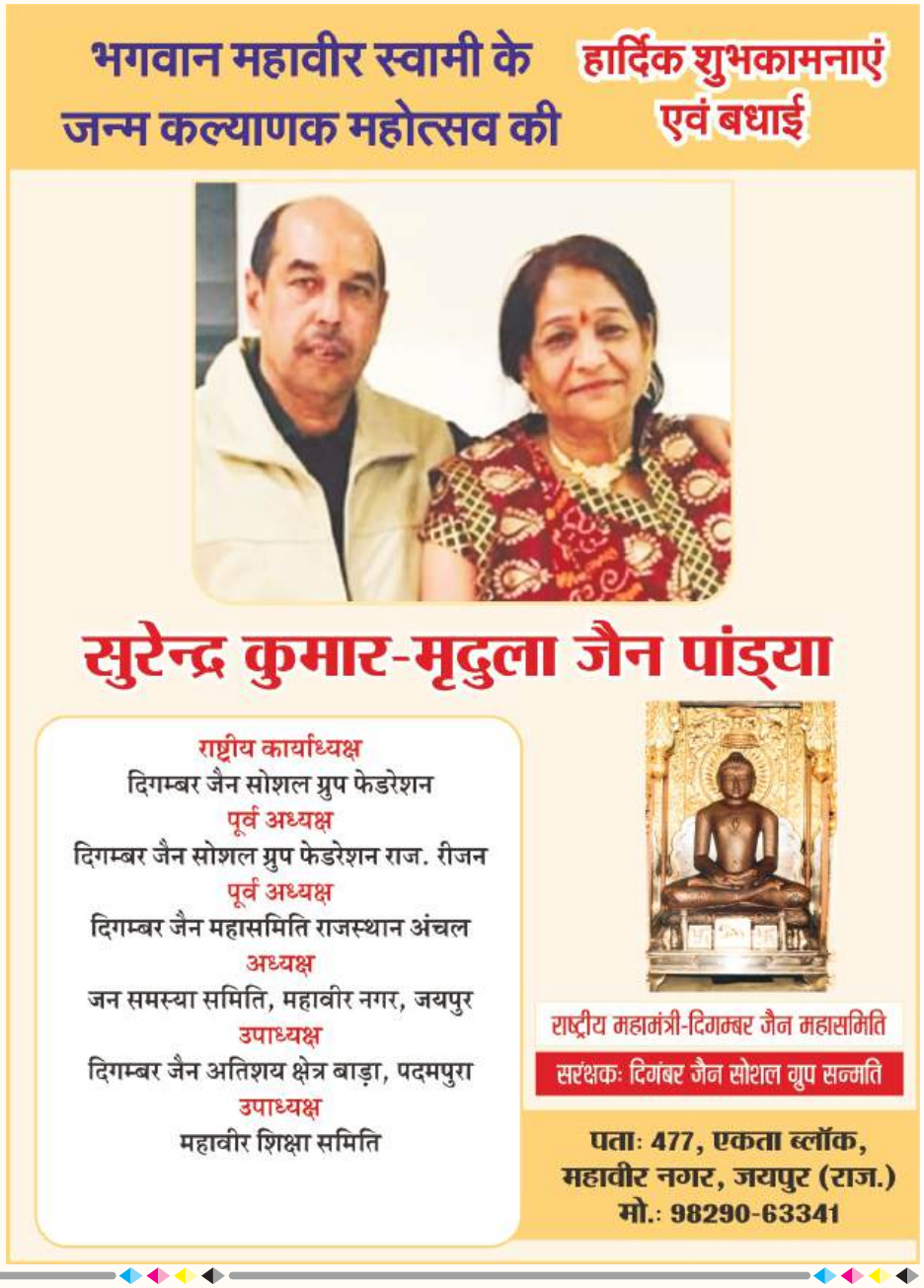

भगवान महावीर जन्मोत्सव का द्वितीय दिवस

मेहंदी, गोद भराई और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

आगरा. शाबाश इंडिया

तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महामहोत्सव के दूसरे दिन मोती कटरा स्थित 'संत निलय जत्ती कटरा' में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन स्थल पर महिलाओं की व्यापक सहभागिता ने संपूर्ण वातावरण को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया। मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 1:00 बजे 'मेहंदी उत्सव' से हुआ, जिसमें महोत्सव के विभिन्न पात्रों और महिलाओं ने अपने हाथों पर आकर्षक मेहंदी रचाई। इसके पश्चात, भगवान महावीर की माता त्रिशला (चीना जैन) की गोद भराई की रस्म पूर्ण श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई। महिलाओं द्वारा गाए गए मंगल गीतों ने इस अवसर को भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम बना दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और धार्मिक झांकियां

महोत्सव का मुख्य आकर्षण आगरा के लगभग 25 महिला मंडलों द्वारा प्रस्तुत भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। इसमें वात्सल्य ज्ञान वरदानी पाठशाला, मोती कटरा महिला मंडल, स्वास्तिक महिला मंडल जयपुर हाउस और वात्सल्य सेवा समिति सहित अनेक समूहों ने नृत्य, भजन और धार्मिक झांकियों के माध्यम से प्रभु महावीर के जीवन प्रसंगों को अत्यंत मनोहारी ढंग से प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक वात्सल्य भोज (प्रीतिभोज) का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस भव्य आयोजन का संचालन रथयात्रा संयोजक एवं महामंत्री अनंत कुमार जैन द्वारा किया गया। प्रचार-प्रसार प्रभारी (मीडिया प्रभारी) शुभम जैन ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी की भव्य शोभायात्रा बुधवार प्रातः 8:00 बजे श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, हनुमान चौराहा से प्रारंभ होगी, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई एम.डी. जैन शिक्षण संस्थान पहुँचेगी।

इस अवसर पर महावीर प्रसाद जैन, अनंत कुमार जैन, अजीत प्रसाद जैन, मनोज जैन, अरुण पाटनी, संजीव जैन, रविंद्र जैन, गिरीश जैन, शशि सेठी, जयंती जैन, प्रगति जैन, रश्मि जैन, भावना जैन सहित समस्त मोती कटरा एवं समग्र जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

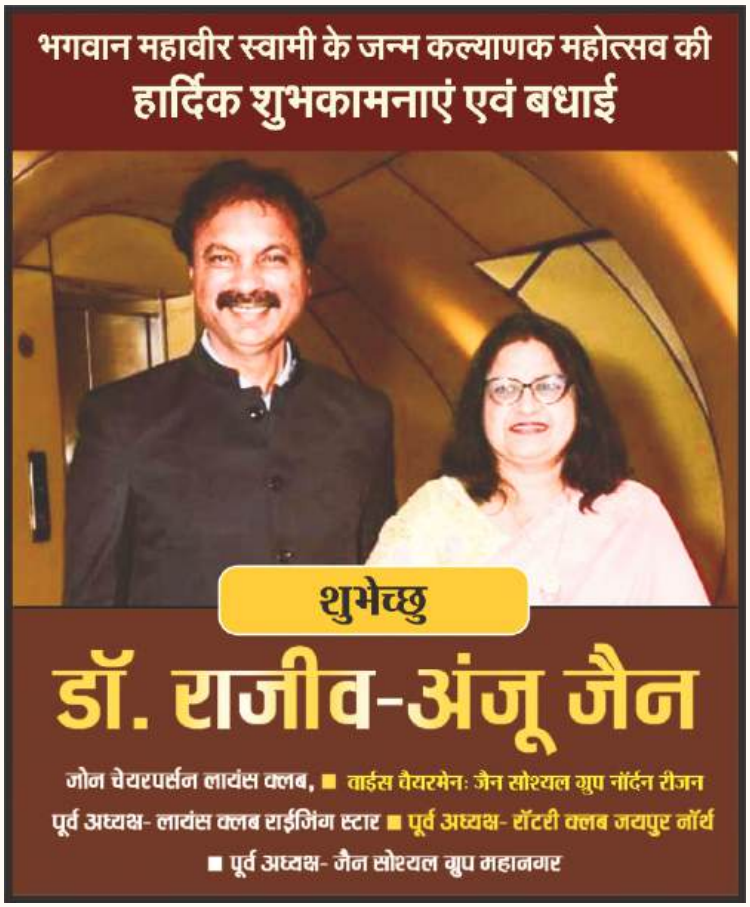

'महावीर तेरे ही नाम से हम पहचाने जाते हैं': घर-घर गूंज रहे भक्ति के स्वर

अजमेर में 20 दिवसीय 'मंगलाचार' अभियान के अंतर्गत धार्मिक प्रस्तुतियों की धूम

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग), अजमेर द्वारा जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक से प्रारंभ होकर वर्तमान शासन नायक महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक तक 20 दिवसीय 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव से आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि आनंद नगर इकाई की वरिष्ठ सदस्य संतोष नरेंद्र कटारिया के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में लघु नाटिका के माध्यम से भगवान महावीर के गुणों का सुंदर चित्रण किया गया। समिति की मंत्री सुषमा पाटनी के अनुसार, तीर्थंकर प्रभु की माता त्रिशला की भूमिका दिव्या कटारिया एवं पिता सिद्धार्थ की भूमिका उर्वशी छाबड़ा ने निभाई। समस्त सदस्याओं ने सामूहिक रूप से भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं।

भव्य बिंदोरी और 16 स्वप्नों का दर्शन

कार्यक्रम का शुभारंभ गाजे-बाजे के साथ भव्य बिंदोरी (शोभायात्रा) निकालकर किया गया। इसके पश्चात माता त्रिशला द्वारा देखे गए 16 मंगल स्वप्नों का सजीव चित्रण किया गया। प्रियांशी ने भक्ति नृत्य के साथ मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सूर्यकांता जैन, सीमा झाझरी, बीना कासलीवाल और सुनीता सेठी ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी:

''महावीर तेरे ही नाम से हम पहचाने जाते हैं,
जो चलते हैं अहिंसा पथ पर वो जैन कहलाते हैं।''

दिव्या और श्वेता कटारिया द्वारा भूगर्भ से प्रकट भगवान महावीर के दृश्य का मनोहारी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर आनंद नगर इकाई अध्यक्ष अंजू अजमेरा, मंजू गंगवाल, निशा ठोलिया, सरला गंगवाल, रेणु पाटनी, मोना बड़जात्या और रश्मि जैन सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।

वैशाली नगर में भी उमड़ा उत्साह

'घर-घर मंगलाचार' की इसी कड़ी में वरिष्ठ सदस्य आशा जैन (शुभम) के नेतृत्व में वैशाली नगर इकाई की सदस्याओं ने भी भव्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न किया। इकाई अध्यक्ष शांता काला ने बताया कि इस अवसर पर सुरभि जैन, विम्मी जैन, नवल छाबड़ा, भावना बाकलीवाल, कुसुम भैंसा, सुधा गोधा और मंजू बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

अरिहंत की बोली, सिद्धों का सार;
अहिंसा का मार्ग, सुखों का द्वार।
महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं!

पदम चन्द जैन (बिलाला) - पुष्पा देवी बिलाला
CA पारस बिलाला-दीपिका जैन
Er. पहुप बिलाला-रूचिका जैन
आदिश्री, आदिश, आदित, आदिवा
निवास: 21, शिवा कॉलोनी, इमली फाटक, जयपुर-15
मो. 9314524888, 9314024888

CA INDIA
Jain Paras Bilala & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS
OUR OFFICES :
New Delhi, Mumbai, Chennai, Kolkata, Noida, Kota,
Jodhpur, Udaipur, Ajmer, Triuppur (TN), Dibrugarh (Assam)

श्री जैन समाज व सर्व समाज द्वारा रक्तदान शिविर, 90 यूनिट रक्त संग्रहित

श्री 1008 भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में जैन समाज एवं सर्व समाज द्वारा मानव सेवा के उद्देश्य से महावीर भवन, पुरानी धान मंडी, कुचामन सिटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर राजस्थान जैन सभा एवं श्री जैन वीर मंडल के तत्वाधान में श्रीमती विमलादेवी स्व. भंवरलालजी झांझरी परिवार द्वारा आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भगवान महावीर के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। शिविर में युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। कुल 90 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसमें कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान कर समाज सेवा का संदेश दिया। रक्त संग्रहण का कार्य राजकीय ब्लड सेंटर कुचामन एवं रिलिफ ब्लड सेंटर जयपुर की टीम द्वारा किया गया। साथ ही अरिहंत हेल्थ केयर द्वारा 180 लोगों की निःशुल्क शुगर एवं ब्लड प्रेशर जांच की गई। शिविर में सहयोग करने वाले सभी कार्यकर्ताओं एवं दानदाताओं का सम्मान किया गया। उपस्थित समाजसेवियों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे मानवता के लिए प्रेरणादायक बताया।

जनसेवा का अनुपम उदाहरण: निःशुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़ा जनसैलाब

मानसरोवर मंदिर समिति एवं ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन की सराहनीय पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 नेमिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पावन अवसर पर मानसरोवर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन न्यास एवं मेट्रो मास चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में पंचदिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 29 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, सेक्टर-12, थड़ी मार्केट में प्रतिदिन प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक संचालित है। चिकित्सा संयोजक प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना है। यहाँ रक्त शर्करा (शुगर), रक्तचाप (बीपी) एवं हृदय की जांच (ईसीजी) जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। न्यास की कोषाध्यक्ष मनीषा जैन के विशेष मार्गदर्शन एवं सामान्य चिकित्सक (जनरल फिजिशियन) डॉ. हनुमान सिंह की देखरेख में मरीजों की गहन जांच कर औषधि वितरण किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में विपणन प्रमुख (मार्केटिंग हेड) संदीप माथुर, विशाल यादव एवं समर्पित उपचारिका दल (नर्सिंग स्टाफ) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुमित जैन, मंत्री अशोक जैन, संयोजक पवन जैन एवं नवरत्न जैन के नेतृत्व में यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। आमजन ने इस पुनीत कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की है।

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

Umrao Mal Sanghi
President: Shri Mahaveer Digamber Jain Shiksha Parishad, Jaipur.
Honorary Minister: Shri Digambar Jain Atishay Area Shri Mahavir Ji

Naveen Sanghi
Secatrey-Jaipur chemist association.
Member-pharmacy council of India.
Executive member-Rajasthan. Pharmacy Council

श्रीमाल जैन जागृति संस्था का शपथ ग्रहण समारोह एवं 'स्वास्थ्य संवाद' आयोजित

महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर चिकित्सा विशेषज्ञों ने दी रोगों से बचाव की जानकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर 'अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था' एवं नारायण चिकित्सालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य परिचर्चा (हेल्थ टॉक) एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन स्थानीय जैस्मिन जलपान गृह (रेस्टोरेंट), बेला कासा होटल में संपन्न हुआ।

मंगलाचरण और दीप प्रज्ज्वलन

कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक के मंगलाचरण के साथ हुआ। तत्पश्चात, चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की विधिवत शुरूआत की गई।

नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

संस्था के सचिव डॉ. इंद्र कुमार जैन ने बताया कि हाल ही में मनोनीत नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह इसी गरिमामयी कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के महिला मंडल एवं युवा मंडल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

स्वास्थ्य जागरूकता: विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

जन-स्वास्थ्य के उद्देश्य से आयोजित परिचर्चा में जयपुर के दो वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की:

डॉ. अभिनव गुप्ता (उदर रोग विशेषज्ञ): उन्होंने पेट संबंधी रोगों, विशेषकर वसामय यकृत (फैटी लीवर) के कारणों, बचाव एवं खान-पान संबंधी सावधानियों पर प्रकाश डाला तथा श्रोताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

डॉ. अमित अग्रवाल (अस्थि एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ): उन्होंने जोड़ों की समस्याओं और घुटना प्रत्यारोपण से संबंधित शंकाओं को दूर किया। उन्होंने स्वस्थ हड्डियों के लिए उचित आहार-विहार का मार्ग प्रशस्त किया।

सम्मान एवं सहभागिता

संस्था की कार्यकारिणी द्वारा चिकित्सकों एवं चिकित्सालय के विपणन दल (मार्केटिंग टीम) के विभोर गुप्ता एवं प्रवीण चौधरी का सम्मान किया गया। इस आयोजन में 'दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक' के सदस्यों का भी संस्था की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया गया।

आगामी रथयात्रा की तैयारी

संस्था के कोषाध्यक्ष नवल जैन ने महावीर जयंती पर राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा में संस्था को आवंटित रथ के विषय में जानकारी दी और सभी से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आग्रह किया। अंत में, संस्था के अध्यक्ष अजय जैन ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल-अनिता जैन
अध्यक्ष: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा, जिला जयपुर

परम संरक्षक: अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सेंटल यूथ विंग, जयपुर
सचिव: रोटरी कल्ब जयपुर नॉर्थ
राष्ट्रीय संयोजक: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा (सदस्यता प्रकोष्ठ)
प्रोजेक्ट डायरेक्टर: चित्रकला प्रतियोगिता, आर.जे. ओ.
परम संरक्षक: अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् जिला जयपुर

अध्यक्ष (टोंक रोड): अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद
उपाध्यक्ष: सखी गुलाबी नगरी
सांस्कृतिक मंत्री: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा

नवकार किचन एंड हार्डवेयर नवकार इंटीरियर्स
शॉप न. 22 न्यू आतिश मार्केट, जयपुर मो. 9530297446

देश के दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्रों में अग्रणी

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (जिला करौली) राज.

महत्वपूर्ण आवासीय इकाईयाँ एवं अन्य जनोपयोगी सुविधाएँ

- ए.सी. धर्मशाला – सम्पूर्ण वातानुकूलित कमरे
- वर्द्धमान धर्मशाला – वातानुकूलित कमरे तथा डीलक्स कमरे
- सन्मति धर्मशाला – 48 कमरे वातानुकूलित, अन्य सभी कमरे डेजर्ट कूलर्स एवं गीजर्स से सुसज्जित
- कुन्दकुन्द निलय – डीलक्स कमरे
- यात्री निवास – 1000 यात्रियों के लिए ठहरने की आधुनिकतम सुविधा, समूह में यात्रा करने वालों के लिए अत्यन्त उपयोगी
- भोजनशाला – 400 व्यक्तियों को एक साथ बैठकर भोजन उपलब्ध करवाने वाली अन्नपूर्णा भोजनशाला
- केफेटेरिया – नाश्ते के लिए सुरुचि केफेटेरिया
- उपभोक्ता भंडार – यात्रियों को उचित मूल्य पर सामग्री व चोले का सामान
- बस सेवा – रेलवे स्टेशन से मन्दिरजी के लिए प्रत्येक ट्रेन पर आने जाने की निःशुल्क बस सुविधा

- श्री महावीर दिगम्बर जैन आयुर्वेदिक औषधालय
- श्री महावीर योग प्राकृतिक चिकित्सालय एवं शोध संस्थान
- श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति गृह
- जैनविद्या संस्थान – जैन आगम साहित्य पर शोध और जैन साहित्य का प्रकाशन वाचनालय एवं पुस्तकालय सुविधा
- अपभ्रंश साहित्य अकादमी – अपभ्रंश भाषा के अध्ययन अध्यापन की भारत की एकमात्र अकादमी सर्टिफिकेट व डिप्लोमा परीक्षा का पाठ्यक्रम राजस्थान विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त मालवीय नगर, जयपुर में नवीन भवन का निर्माण
- ध्यान केन्द्र – शान्त एवं स्वाध्याय हेतु ध्यान केन्द्र-रत्न प्रतिमाओं के दर्शन

म्यूजियम ऑफ जैन आर्ट एण्ड कल्चर –

- पैरों की विकलांगता के लिए सवाईमाधोपुर व करौली जिले के निवासियों के लिए विशेष व्यवस्था।
- असमर्थ महिलाओं को सिलाई मशीनें तथा विकलांगों को ट्राई साईकिल्स का वितरण।
- असमर्थ छात्रों को छात्रवृत्ति तथा योग्य एवं जरूरतमंद छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण/सहायता
- असमर्थ महिलाओं/पुरुषों को मासिक सहायता

-वेबसाइट-

क्षेत्र की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.shrimahaveerji.org.को देखें –

apabhramsasahitya : apa.jainapa.com, jvs.jainapa.com pra.jainapa.com

Online Room Booking : www.mahaveerji.org

E-mail : mahaveerjitrust@gmail.com

आगन्तुक यात्रियों के स्वागतार्थ सदैव तत्पर 375 कर्मचारियों सहित

प्रबन्धकारिणी कमेटी

उमराव मल संघी
मंत्री

सुधांशु कासलीवाल
अध्यक्ष